श्री राम चंद्र मिशन

ECHOES
इंडिया
समाचार पत्र

पूज्य गुरुदेव से सम्बन्धित समाचार

सम्पादकीय टिप्पणी

जैसे जैसे हम अपने पूज्य गुरुदेव चारी जी के देहावसान की अप्रिय स्थिति को स्वीकार कर रहे हैं, वैसे ही हम उनके उत्तराधिकारी आदरणीय कमलेश जी को अधिकाधिक जानने की प्रक्रिया से भी गुजर रहे हैं । उन्होंने, अभ्यासियों द्वारा अपनी साधना पर पूरा ध्यान केन्द्रित रखते हुये मिशन के लिये काम करने के तरीके में तथा अभ्यासियों द्वारा उन तक पहुँचने के तरीके में, परिवर्तन लाने के अपने कार्य को आगे बढ़ाने में तनिक भी समय व्यर्थ नहीं गँवाया । उनके द्वारा सहज सन्देश के माध्यम से हमें दी गयी नवीनतम जानकारियों से दिलासा तो मिलता ही है, साथ ही मिशन के लिये उनके स्वप्न की एक झलक भी प्राप्त होती है । उनकी फ्रान्स यात्रा तथा न्यू जर्सी की सभाओं के माध्यम से मिशन के कार्य में अनेक बदलाव लाये जा चुके हैं । न्यूजलैटर के इस अंक द्वारा हम आपको गुरुदेव की इस यात्रा और न्यू जर्सी में दी गयी वार्ताओं के प्रमुख अंशों से अवगत करा रहे हैं ।

मौन्टपैलियर, फ्रान्स – ७ जनवरी २०१५

पहली जनवरी को जब गुरुदेव के आगमन का नितान्त अप्रत्याशित समाचार मिला तो स्थानीय अभ्यासी उनके स्वागत हेतु अधिक से अधिक भाई बहिनों से सम्पर्क करने के कार्य में लग गये । चौबीस घण्टे में फ्रान्स तथा पड़ौसी देशों के ८०० अभ्यासियों, जो अपने परिवार सहित आये थे, के एकत्रित होने के लिये एक उपयुक्त स्थान का चयन कर लिया गया ।

प्रात: ७:३० बजे आदरणीय कमलेश जी ने एक अत्यन्त प्रार्थनापूर्ण वातावरण में, कार्यक्रम के अन्तर्गत तीन सत्संग में से, पहला सत्संग कराया । फ़िर उन्होंने इन शब्दों के साथ हमारे लिये आगे का रास्ता निर्धारित कर दिया –

"...तो कृपया अपनी भावनाओं को दबाइये नहीं । यदि आप एक क्षण गुरुदेव के विषय में सोचकर प्रसन्नता का अनुभव करते हैं तो प्रसन्न होइये । यदि आप उनके यहाँ न होने पर उदासी का अनुभव करते हैं तो दो बूंद आँसू बह जाने दीजिये । हम उन्हें उदास हृदय, कृतज्ञ हृदय, मुस्कराते हुये हृदयों के साथ हमेशा स्मरण कर सकते हैं । अब वे अधिक सुलभ हैं और हम सब में घुले मिले हैं । अत: हमारा प्रयास होना चाहिये कि हम किस प्रकार स्वयं को उन में लय कर दें । यह हम सब पर निर्भर करता है । मैं प्रार्थना करता हूँ कि हम उस लय अवस्था को जितनी जल्दी प्राप्त कर लें उतना ही अच्छा है । यही वह चीज है जो बाबूजी महाराज चाहते हैं, जो गुरुदेव चाहते हैं, जो हमारी गुरु परम्परा चाहती है – उनकी वैश्विक उपस्थिति में पूर्ण रूप से लय हो जाना । इसे ही हम परमात्मा में पूर्ण रूप से विलय हो जाना कहते हैं । प्रार्थनापूर्ण हृदय से आप सभी का धन्यवाद ।"

गुरुदेव ने यह भी बताया कि अल्प सूचना पर इतनी बड़ी संख्या में अभ्यासियों को एकत्रित हुआ देखकर वे बहुत प्रभावित हैं । कार्यक्रम की समाप्ति पर सभी लोग आनन्दपूर्वक एवं गुरुदेव द्वारा उपलब्ध कराये गये एक अद्वितीय दिवस हेतु कृतज्ञतापूर्ण हृदयों के साथ विदा हुये। गुरुदेव ने बड़ी संख्या में वहाँ आने व इस में भागीदारी करने के लिये सभी को धन्यवाद दिया ।

श्री राम चंद्र मिशन एकोज़ इंडिया समाचार पत्र

अपने जुड़ाव को मजबूत बनाने के लिए प्रार्थनापूर्ण सुझाव

* रात्रि ९ बजे की सार्वभौमिक प्रार्थना – सम्पूर्ण विश्व के सभी भाई एवं बहिन प्रेम और श्रद्धा से भर रहे हैं तथा उनके दिलों में सच्ची निष्ठा और अधिक दृढ़ हो रही है ।
* सभी बहिन और भाई जीवन के प्रति सही सोच, सही समझ और एक ईमानदार दृष्टिकोण विकसित कर रहे हैं ।
* हमारे चारों ओर हर चीज ईश्वरीय स्मरण में गहराई से लीन है ।
* सभी बहिन एवं भाई जो वास्तव में परमतत्व के लिये तड़प रहे हैं, वे हमारे महान प्रिय गुरुदेव की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वे सभी उनकी ओर खिंचते जा रहे हैं । हम अपनी यह प्रार्थना गुरुदेव को समर्पित करते हैं कि, "वे सभी आपकी कृपा का लाभ उठायें ।"

३० एवं ३१ जनवरी को मोनरो आश्रम में दी गयी गुरुदेव की वार्ता से उद्धृत। सम्पूर्ण वार्ता निम्न सम्पर्क पर उपलब्ध है –
http://www.sahajmarg.org/literature/online/speeches/newjersey-20150130

अमेरिका में भण्डारा

उत्तरी अमेरिका के अभ्यासी २३ से २५ जनवरी का समय आदरणीय कमलेश जी के साथ बिताने के लिये बहुत उल्लसित थे, जिनकी नयी भूमिका आध्यात्मिक गुरु के रूप में तथा श्री राम चन्द्र मिशन के अध्यक्ष के रूप में थी । न्यू जर्सी में बसन्त पंचमी के अवसर पर आयोजित तात्कालिक भण्डारा एक उत्तरी अमेरिकी सम्मेलन में बदल गया, जिसमें पूरे महाद्वीप से आये ११०० से अधिक अभ्यासियों ने भाग लिया । ५० स्वयंसेवकों के एक प्रमुख समूह ने व्यवस्थाओं के लिये मिलकर कार्य किया ।

सम्मेलन का आयोजन एक होटल में किया गया, जो तीन दिन के लिये एक आश्रम बन गया था । इसका बृहद नृत्य कक्ष एक लम्बे–चौड़े और बहुत कलात्मक ध्यान कक्ष में परिवर्तित हो गया था । आदरणीय कमलेश जी की तरह, बाहर से आये हुये लगभग सभी अभ्यासी वहीं ठहरे थे ।

शुक्रवार की शाम, सभा की शुरुआत ५ बजे के सत्संग से की गयी, जिसके बाद अपने गुरुदेव चारीजी के निर्देश पर आदरणीय कमलेश जी ने ईमानदारी से अभ्यास करने की अनिवार्य आवश्यकता पर एक हृदयस्पर्शी वार्ता दी । उन्होंने बताया कि चारीजी अपने डायरी लेखन में बहुत साफ़ दिल के थे और उन्होंने अभ्यासियों को, खास तौर पर स्वयं के साथ, पूरी तरह से ईमानदार होने का आग्रह किया । वार्ता की समाप्ति पर उन्होंने सभी अभ्यासियों को, शुक्रवार रात्रि ९ बजे की सिटिंग के लिये, हॉल में पुन: एकत्र होने के लिये आमंत्रित किया।

बसन्त पंचमी के अवसर पर शनिवार प्रात: ७:१५ बजे आदरणीय कमलेश जी द्वारा टोरेन्टो आश्रम का स्काईप के माध्यम से उद्घाटन किया गया । जिसमें उन्होंने टोरेन्टो में एकत्र पूरे अमेरिका एवं कनाडा से आये २०० अभ्यासियों को सम्बोधित किया और उसके बाद एक अद्भुत सिटिंग दी ।

प्रात: ९ बजे के सत्संग और एक छोटी वार्ता के बाद, आदरणीय कमलेश जी इस वर्ष लालाजी के जीवन से सम्बन्धित बाद में जारी की जाने वाली नयी पुस्तक के पूर्व पंजीकरण के लिए घण्टों तक पंजीयन डेस्क पर बैठे रहे और अभ्यासियों से बड़े गर्मजोशी, सरलता एवं विनोदी स्वभाव में बातचीत की । बाद में उन्होंने उत्तरी अमेरिका के लगभग १५० प्रशिक्षकों से भेंट की, जिसमें उन्होंने बताया कि गुरु परम्परा ने मिशन में नये परिवर्तनों की अनुमति दे दी है, जैसा कि दिव्य लोक से प्राप्त हाल के सन्देशों में भी इंगित किया गया है ।

उन्होंने यह भी बताया कि बदलते समय के साथ जिज्ञासुओं तक सरल तरीकों से पहुँचने की आवश्यकता है । उन्हें ध्यान करने के

लिये और परिणामस्वरूप स्वयं में आये परिवर्तनों को अनुभव करने के लिये प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है । उन्होंने वहाँ उपस्थित सभी प्रशिक्षकों को एक सिटिंग दी । इसके बाद रात्रि ८.०० बजे नये अभ्यासियों से भेंट की । दिन का समापन रात्रि ९.०० बजे सत्संग के साथ हुआ ।

रविवार को आदरणीय कमलेश जी ने प्रात:कालीन सत्संग के पश्चात् प्रश्नोत्तर सत्र सम्बोधित किया । हर कोई नये गुरुदेव व उनके अभ्यासियों के बीच हृदय से हृदय का जुड़ाव महसूस कर सकता था । वहाँ पर प्रेम, हास्य, धैर्य, खुशी के साथ-साथ गहन अभ्यास और आन्तरीकरण करने के लिये प्रतिबद्धता थी तथा विचार के माध्यम से गुरुदेव के साथ लगातार सम्पर्क बना हुआ था । जैसे-जैसे सत्र आगे बढ़ा, बहुत से अभ्यासियों ने आदरणीय कमलेश जी में चारी जी का एक वास्तविक प्रतिबिम्ब देखा और वे सब इतने द्रवित थे कि जब सत्र समाप्त हुआ उनके अश्रु बह रहे थे । एक अभ्यासी ने कहा, "मैं इसे अपने हृदय में महसूस करता हूँ । वे दोनों वास्तव में एक ही हैं ।"

सम्मेलन स्थल से जाने के बाद आदरणीय कमलेश जी ने स्थानीय स्वयंसेवकों के साथ निकटस्थ मोनरो आश्रम का भ्रमण किया । उन्होंने वहाँ एक सिटिंग दी और अपने घर जाने से पहले उनके साथ दोपहर का भोजन किया ।

सहज संदेश से उद्धरण

१२ फरवरी २०१५

न्यू जर्सी, यू०एस०ए० में दोनों सेमिनारों – क्रमश: पहला २३ से २५ जनवरी तक और दूसरा १ से ३ फरवरी तक – के दौरान हमने बहुत बढ़िया समय व्यतीत किया । दोनों अवसर बहुत खास थे । मुझे २७ जनवरी को वापस लौटना था किन्तु कुछ काम की वजह से मैं लौट नहीं सका । तब मैंने ४ फरवरी को अपनी वापसी की योजना बनायी, और वह भी फ्लू के कारण कार्यान्वित नहीं हुई ।

सौभाग्यवश, मैं अपने स्वास्थ्य में काफी सुधार के साथ ९ फरवरी को वापसी यात्रा कर पाया और १० फरवरी की रात्रि मणपाक्कम पहुँच गया ।

न्यू जर्सी में दोनों सेमिनारों के दौरान हमने अपनी साधना के अनेक पहलुओं पर चर्चा की, जो कि अब सहज संदेश के माध्यम से सुलभ करा दिये गये हैं । अनुशंसित प्रार्थनापूर्ण सुझावों का क्रियान्वयन हमारे जुड़ाव को गहरा करेगा और मुझे विश्वास है कि इन प्रार्थनापूर्ण सुझावों को अपनाने वाले सभी अभ्यासियों को निश्चित सकारात्मक परिवर्तन महसूस होंगे ।

वर्तमान में बाबूजी मेमोरियल आश्रम में हमारे साथ पच्चीस आई०एस०ए०डब्ल्यू० अभ्यर्थी हैं जो कि अपने अपने क्षेत्रों में प्रशिक्षक के रूप में कार्य करने के लिये प्रशिक्षण ले रहे हैं । यह कार्यक्रम १५ फरवरी तक चलेगा । इसके अतिरिक्त हमारे साथ दक्षिण अमेरिका से आये १०० से अधिक प्रतिभागी हैं और उनके लिये आयोजित विशेष कार्यक्रम १४ फरवरी तक चलेगा ।

प्रिय गुरुदेव से प्रेम व आशीर्वाद के लिये प्रार्थना सहित ।

कमलेश डी० पटेल

"...अत: इसके अन्त में जो छोटी सी बात मुझे आपसे साझा करनी थी, वह केवल एक चीज में निहित है । कृपया एक सम्पर्क, एक चैनल सिर्फ़ गुरुदेव के साथ रखिये, बस इतना काफी है । बाकी सब चीजें इस चैनल की सहायता व इसे मजबूत करने के लिये हैं । इसके अतिरिक्त हर चीज मेरे प्रयासों को हलका करेगा या गुरुदेव के साथ मेरे सम्पर्क को कमजोर करेगा, मुझे इसे रोकना चाहिये, इसी में बुद्धिमानी है और इसको पहचानने के लिये मुझे चीजों में उचित प्रकार से भेद करने में सक्षम होना चाहिये ।"

– कमलेश जी
२ फरवरी २०१५, मोनरो आश्रम

श्री राम चंद्र मिशन एकोज़ इंडिया समाचार पत्र

पूज्य लालाजी महाराज के १४२ वें जन्मदिवस पर समारोह

पूज्य लालाजी महाराज का १४२ वाँ जन्मदिवस तीन दिवसीय विकेन्द्रीकृत भंडारे के रूप में भारत के सभी आश्रमों में मनाया गया। कड़ाके की सर्दी होने के बावजूद इस पावन अवसर पर आस-पास के केन्द्रों से बड़ी संख्या में अभ्यासी उत्सव मनाने के लिये अपने निकटस्थ आश्रम में एकत्र हुये। सभी आश्रमों में तीनों दिन विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के कारण धूमधाम रही। लालाजी महाराज का जीवन और शिक्षायें, वार्तालाप के सिद्धान्त, चरित्र निर्माण, अन्तर में खोज आदि विषयों पर वार्तायें दी गयीं। बच्चों तथा युवाओं ने भी समारोह में उत्साह के साथ भाग लिया तथा लालाजी महाराज के जीवन पर आधारित लघु नाटिकाओं की प्रस्तुति एवं नृत्यों और गीतों द्वारा इस कार्यक्रम को रंगारंग व यादगार बनाया। यह भंडारा सभी अभ्यासियों के लिये गुरुजनों की दिव्य कृपा में डूबने का एक विशेष अवसर था। ईकोज़ टीम को विभिन्न केन्द्रों में आयोजित अनेक कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्राप्त हुयी हैं। इनमें से कुछ केन्द्रों के छायाचित्र नीचे प्रदर्शित किये गये हैं।

इलाहाबाद

भुवनेश्वर

जोधपुर

इरोड

गाजियाबाद

कोलकाता

जयपुर

सोनीपत

पय्यनुर

खड़गपुर

बड़ौदा

मेरठ

लखनऊ

मदुरई

दिल्ली

तिरुप्पूर

यू–कनेक्ट गतिविधियाँ

मिशन के यू–कनेक्ट पहल के अन्तर्गत् आत्म विकास कार्यक्रम पूरे भारतवर्ष और शेष विश्व में फ़ैल रहा है । इस पहल की शुरुआत अप्रैल २०१३ में की गयी थी । हाल ही में प्रयुक्त नये सुझावों और तकनीकों के पश्चात् गुरुदेव के कार्य में जुड़ाव और सहभागिता का क्षेत्र और भी बढ़ गया है ।

विस्तारित सम्भावनाओं के प्रकाश में अब बहुत से परिवर्तन प्रभाव में आयेंगे । हम यू–कनेक्ट समन्वयकों, फ़ेसिलिटेटरों और स्वयंसेवकों से अनुरोध करते हैं कि वे अपने आप को नवीनतम जानकारियों से अवगत रखें ।

यू–कनेक्ट संगठन को १५ क्षेत्रों में विभाजित किया गया है जिसमें क्षेत्रीय समन्वयक, सम्बन्धित अंचल प्रभारी और केन्द्र प्रभारी के साथ काम करते हैं । हमने मणपाक्कम में प्रशिक्षण और सतत् सुधार हेतु एक यू–कनेक्ट सहायता टीम का भी गठन किया है । वर्तमान में हम यू–कनेक्ट सामग्री का हिन्दी में अनुवाद कर रहे हैं ।

इस कार्य में भाग लेने के लिये कृपया निम्न सम्पर्क पर सदस्य बनें
http://www.sahajmarg.org/resources/programs/uconnect

पिछले कुछ महीनों में यू–कनेक्ट के अन्तर्गत अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनके प्रमुख अंश नीचे दिये गये हैं ।

सूरत, गुजरात में यूका तरसाड़िया विश्वविद्यालय के मालिबा परिसर में प्रथम यू–कनेक्ट कार्यक्रम को प्रारम्भ हुए दो वर्ष से अधिक समय हो चुका है । प्रथम आत्म विकास कार्यक्रम (एस०डी०पी०) विश्वविद्यालय के २५० संकाय सदस्यों के लिये आयोजित किया गया था । अब तक १०० से अधिक संकाय सदस्यों को ध्यान के व्यवस्थित अभ्यास की शुरुआत करायी गयी है । शनिवार अपराह्न करीब ३०–४० संकाय सदस्य सामूहिक ध्यान में सम्मिलित होते हैं । दो वर्ष की अवधि में आठ महाविद्यालयों में एस०डी०पी० का आयोजन किया जा चुका है । अब तक लगभग ३५० विद्यार्थियों को सहज मार्ग पद्धति से परिचित कराया गया है । कार्यदिवसों में

सिलिगुड़ी

विद्यार्थियों के छोटे समूह बनाकर सत्संग का संचालन किया जाता है । यू–कनेक्ट पहल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये विश्वविद्यालय ने सत्संग के लिये एक अलग स्थान निर्धारित करने का वायदा किया था । इसके परिणाम स्वरूप १७ जनवरी २०१५ को एक ध्यान केन्द्र का औपचारिक रुप से उद्घाटन किया गया । अभ्यासी इसमें एक पुस्तकालय भी बना रहे हैं । एस०एच०पी०टी० ने हाल ही में इस पुस्तकालय को पुस्तकें उपहार में दी हैं ।

पुणे, महाराष्ट्र में १ जनवरी को इन्डियन रेलवे इन्स्टिट्यूट ऑफ़ सिविल इन्जीनियरिंग, पुणे के भारतीय रेल अधिकारियों के लिये एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला का संचालन भाई हर्षल जावले द्वारा किया गया, जो मूल्य एवम् नैतिकता विषय पर केन्द्रित थी ।

विदिशा, मध्य प्रदेश में यू–कनेक्ट टीम द्वारा १८ जनवरी को गवर्नमेन्ट गर्ल्स कॉलेज में एस०डी०पी० का आयोजन किया गया, जिसमें १०० विद्यार्थियों और १० संकाय सदस्यों ने भाग लिया ।

चण्डीगढ़, हरियाणा, तमिलनाडु, इन्दौर, राजस्थान और सिक्किम में अनेक कार्यक्रम चल रहे हैं । कई अंचलों में यू–कनेक्ट संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है ।

मालिबा

विदिशा

श्री राम चंद्र मिशन एकोज़ इंडिया समाचार पत्र

अखिल भारतीय निबन्ध लेखन कार्यक्रम २०१४

यह वर्ष अखिल भारतीय निबन्ध लेखन कार्यक्रम के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने का एस०आर०सी०एम० एवं संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र (यू०एन०आइ०सी०) भारत एवं भूटान के बीच भागीदारी का दसवाँ वर्ष है। श्रेणी १ (कक्षा ९ से १२ तक) के विद्यार्थियों हेतु निबन्ध लेखन का विषय शेक्सपियर का एक उद्धरण "सर्वोपरि: स्वयं अपने प्रति सत्यनिष्ठ रहें" तथा श्रेणी २ (स्नातक एवं परा स्नातक पाठ्यक्रम) के विद्यार्थियों हेतु एक समान विषय वस्तु "सत्यनिष्ठ होना मानवीय होना है" निर्धारित किया गया था। दोनों श्रेणियों के प्रतिभागियों को अपने विषयों पर शोध एवं चर्चा करने की स्वतन्त्रता दी गयी थी, परन्तु उनसे यह अपेक्षा की गयी थी कि वे अपने स्वयं के हस्तलेख में मूल रूप से लिखे गये निबन्ध प्रस्तुत करें। यद्यपि मिशन इच्छुक संस्थानों एवं उनके विद्यार्थियों को प्रतिभागिता हेतु आमन्त्रित करता है और संख्या पर जोर नहीं दिया जाता है फ़िर भी दोनों श्रेणियों के अन्तर्गत प्रतिभागिता में प्रति वर्ष निरन्तर वृद्धि हो रही है। इस वर्ष श्रेणी १ में ९,८४१ विद्यालयों के १,६४,४७५ छात्र–छात्राओं ने तथा श्रेणी २ के अन्तर्गत २,०१६ उच्चशिक्षा संस्थानों के २१,२७६ छात्र–छात्राओं ने प्रतिभागिता की। इस प्रकार कुल मिलाकर ११,८५७ संस्थानों के १,८५,७५१ विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभागिता की गयी।

इस वर्ष पहली बार दोनों श्रेणियों के सर्वोच्च पुरस्कार एक ही भाषा – तेलुगु, में लिखे गये निबन्धों को प्राप्त हुये। गुड शेफ़र्ड इंग्लिश मीडियम स्कूल, नाण्ड्याल की कक्षा १० की छात्रा एस०दिया निस्सि एवं राजीव गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, श्रीकाकुलम के एम०बी०बी०एस० अन्तिम वर्ष में अध्ययनरत छात्र श्री ताड़ी सुजौय किरन को क्रमश: श्रेणी १ तथा श्रेणी २ के विजेता पदक प्रदान किये गये।

दोनों सर्वोच्च विजेताओं के निबन्धों को तथा अन्य विजेताओं के निबन्धों के उद्धरणों को मिशन की वेबसाइट: www.sahajmarg.org/essay-svent में प्रकाशित गया गया है। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मिशन के विभिन्न केन्द्रों में पुरस्कार वितरण समारोहों का आयोजन किया गया, जिनमें पुरस्कार विजेताओं के साथ–साथ अनेक अभिभावकों एवं अध्यापकों ने भी भाग लिया, जिससे उन्हें मिशन के बारे में जानने का अवसर प्राप्त हुआ।

जोधपुर

तिरुप्पुर

पाली

लखनऊ

कोलकाता

पटना

थिरुचिरापल्ली

मैसूर

श्री राम चंद्र मिशन एकोज़ इंडिया समाचार पत्र

अखिल भारतीय निबन्ध लेखन कार्यक्रम पारितोषिक वितरण समारोह

इलाहाबाद

बीकानेर

बिजनौर

श्रीगंगानगर

उज्जैन

औरंगाबाद

पैठण

कोविलपट्टी

बसवकल्याण

वल्लियूर

हुबली

अलुवा

गुलबर्गा

लालपनिया

मदुरई

उत्तरी पारावूर

सीतापुर

पालक्कड़

मुम्बई

सिलिगुड़ी

तिरुचेन्दूर

रांची

श्री राम चंद्र मिशन एकोज़ इंडिया समाचार पत्र

युवा कार्यक्रम

विशाखापट्टनम, आन्ध्र प्रदेश

१७ जनवरी को विशाखापट्टनम केन्द्र ने ५० युवाओं के लिये 'मिल-जुलकर विकास' विषय पर एक आंचलिक युवा संगोष्ठी का आयोजन किया । भाई आदिनारायण (अंचल प्रभारी, ए०पी० १ बी) ने युवाओं को अपने अहं से पूर्ण रूप से मुक्त होने का अनुरोध किया तथा प्रेम का विकास करने वाली सेवा के महत्व पर ज़ोर दिया एवं उन्हें अपनी साधना में नियमित होने के लिये प्रोत्साहित किया ।

सहभागियों ने वार्ताओं, प्रस्तुतिकरणों और युवाओं के लिये उपयुक्त चुनिन्दा व्हिस्पर्स सन्देशों को सुना । टीम निर्माण के एक रोचक कार्यक्रम के अन्तर्गत वे सभी अलग-अलग समूहों में बँट गये और उन्होंने नियत काम को एक टीम के रूप में मिल-जुलकर सम्पन्न किया । भोजन के उपरान्त वाले सत्र का समय विश्वव्यापी वेबिनार के साथ पड़ रहा था, जो अपराह्न ३:३० बजे तक चला । इस कार्यक्रम ने इस बात को जानने में काफ़ी रुचि पैदा की कि किस प्रकार विश्वभर के अभ्यासी अपनी प्रगति के लिये अत्यावश्यक गुणों का विकास कर रहे हैं । कार्यक्रम सायंकालीन सत्संग के साथ समाप्त हुआ और भाई सप्तमुकुलु ने सभी को छह मास बाद होने वाली अगली युवा संगोष्ठी के लिये आमन्त्रित किया ।

हल्द्वानी आश्रम, उत्तराखण्ड

'पवित्रता भाग्य का ताना-बाना बुनती है' इस विषय पर हल्द्वानी आश्रम में २४ से २६ जनवरी तक इस क्षेत्र के ८२ युवाओं के लिये एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी उल्लासमय मनोभाव से आरम्भ हुई, आश्रम को आकर्षक रूप से सजाया गया था और २४ जनवरी की शाम को एक उत्सवाग्नि (बॉन फ़ायर) जलाई गई । २५ जनवरी की सुबह, भाई बी०एस०चुफाल (अंचल प्रभारी) ने समूह को सम्बोधित किया । भोजनोपरान्त के सत्र में सुप्रसिद्ध प्रकृति फ़ोटोग्राफ़र व पर्वतारोही श्री अनूप शाह द्वारा एक हॉबी वर्कशॉप का संचालन किया गया, जिसके माध्यम से प्रतिबद्धता, प्रेम और किसी भी आबंटित कार्य के उद्देश्य के प्रति गंभीरता; के महत्त्व पर ज़ोर दिया गया । कार्यशाला के मूलविषय में दैनिक साधना और चरित्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता रखने की आवश्यकता एवं प्रगति के साथ साथ व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं में होने वाले बदलावों को समझने पर भी ज़ोर दिया गया । एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें इस आश्रम की निर्माण-प्रक्रिया पर एक वीडियो भी दिखाया गया और फ़िर कबीर के जीवन पर एक लघु नाटिका अभिनीत की गयी । इसके पश्चात् एक परिचर्चात्मक सत्र हुआ । २६ जनवरी के दिन झंडा फहराया गया, समापन भाषण हुआ और भविष्य में ऐसे ही और कार्यक्रमों के आयोजन के लिये विचारों और सुझावों का आदान-प्रदान किया गया ।

कोलार आश्रम, कर्नाटक का भ्रमण

८ फ़रवरी को बनशंकरी आश्रम से इक्कीस युवा अभ्यासियों ने कोलार आश्रम की यात्रा की । बंगलौर के इस समूह के अतिरिक्त कोलार आश्रम का प्रतिनिधित्व कर रहे दस अभ्यासियों तथा कुप्पम केन्द्र से एक समूह ने भी कार्यकलापों में भाग लिया ।

एक खेल के बाद प्रतिभागियों को मिशन से सम्बन्धित प्रश्नों की एक शब्द-पहेली को हल करने के लिये दलों में विभाजित किया गया । इसके पश्चात् लक्ष्य पर अन्तरावलोकन सत्र तथा युवाओं द्वारा लक्ष्य के प्रति उनकी सोच में बदलाव करने की आवश्यकता पर चर्चा की गयी । हाल ही में आदरणीय कमलेश जी द्वारा प्रस्तावित चार सुझावों के अभ्यास के बारे में भी उन्हें संक्षेप में समझाया गया । एक 'खज़ाने की खोज' खेल खेला गया जिसमें सफ़ल होने के लिये प्रतिभागी को मिशन के बारे में कुछ मूलभूत जानकारी का होना आवश्यक था । दोपहर के भोजन के पश्चात् आश्रम में स्थानीय अभ्यासियों की स्नेहमय देखभाल में बिताये गये समय की आनन्दमय अनुभूति के साथ यह दल बंगलौर के लिये रवाना हुआ ।

शीतकालीन शिविर, अहमदाबाद, गुजरात

२४ से २६ जनवरी तक अहमदाबाद के अडालाज योगाश्रम में बच्चों के लिये एक तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया । २४ तारीख को शिविर का आरम्भ स्वागत संबोधन के साथ हुआ, जिसमें बच्चों ने स्वयं का परिचय 'खुशी' नामक एक खेल के माध्यम से कराया; जिसमें यह संदेश दिया गया था, 'दूसरों को खुशी दीजिये, आपको खुशी मिलेगी' । बाद में बच्चों को प्याज़ के बीज लगाना सिखाया गया । इसके उपरान्त एक पहेली सत्र और एक व्यवहार कुशलता सिखाने वाले सत्र का आयोजन हुआ । आत्म-सुरक्षा, स्वस्थ आहार और तन्दुरुस्त रहने के उपाय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया । रात्रि भोजन के पश्चात् बच्चों ने अलाव के चारों ओर गीतों और नृत्य का आनन्द लिया । अगले दिन बच्चों को विक्रम साराभाई सामुदायिक केन्द्र में ले जाया गया । शाम को आश्रम में लौटने के बाद बच्चों ने कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल प्रस्तुत किये । २६ जनवरी को गणतन्त्र दिवस बहुत उत्साह के साथ मनाया गया । ध्वजारोहण, राष्ट्रगान व देशभक्ति के गीत और खेलकूद स्पर्धायें पुरस्कार वितरण सत्र के साथ समाप्त हुई । दोपहर के भोजन के पश्चात् शिविर का समापन हुआ । बच्चों ने मित्र बनाये, नये कौशल सीखे, प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया और खूब आनन्द लिया ।

वार्षिक दिवस समारोह, कोलकाता

कोलकाता के बाबूजी मेमोरियल आश्रम का उद्घाटन चारीजी महाराज द्वारा २४ दिसम्बर २००३ को किया गया था । यह केन्द्र कई वर्षों से इस शुभ दिन को वर्षगाँठ के रूप में, विशेषकर बच्चों के लिये खेल-कूद स्पर्धाओं और आनन्ददायक गतिविधियों का आयोजन कर, मनाता रहा है । इस वर्ष यह १८ जनवरी को मनाया गया ।

बाल और युवा केन्द्र (सी०वाई०सी) के स्वंयसेवकों ने योजनायें बनाकर सभी आयुवर्गों और प्रारुपों के लिये लगभग ३२ गतिविधियों का संचालन किया । जहाँ युवाओं और प्रौढ़ अभ्यासियों ने विभिन्न प्रकार की दौड़ों का आनन्द लिया, वहीं वृद्ध अभ्यासियों ने उन खेलों का आनन्द लिया जिनमें उनको दौड़ना नहीं था । अधिकांश गतिविधियाँ मूल्यों और वांछित गुणों के पहलुओं के ऊपर ध्यानपूर्वक तैयार की गयीं थी और अभ्यासियों को साधना के विभिन्न पक्षों के बारे में खेल खेलने का अवसर मिला । इस दिन सभी को आश्रम के दिव्य वातावरण में रहने तथा भाईचारे और स्नेहपूर्ण तरीके से आनन्द उठाने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रत्येक अभ्यासी स्वयं प्रयास करते हुए दूसरों को भी प्रोत्साहित कर रहा था ।

आंचलिक गोष्ठी, हरियाणा

डाक्टर सत्य एन० मंडल (अंचल प्रभारी, अंचल-२१) ने ८ फ़रवरी को सोनीपत आश्रम में एक आंचलिक बैठक संचालित की । इसमें हरियाणा के केन्द्रों से ३७ प्रशिक्षकों, समन्वयकों, फ़ेसिलिटेटर्स, स्वयंसेवकों तथा केन्द्र प्रभारियों ने भाग लिया । अंचल प्रभारी तथा विशेष क्षेत्रों के समन्वयकों और प्रशिक्षकों ने वर्ष २०१४ में अंचल/केन्द्र में हुई गतिविधियों को दर्शाते हुये स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें सम्बन्धित क्षेत्रों में प्रगति के साथ-साथ आयी कठिनाइयों को भी बताया गया । सभी उपस्थित अभ्यासी बहिन और भाई यह जानकर अभिभूत थे कि गुरुदेव ने पानीपत और रोहतक में आश्रम निर्माण के लिये स्वीकृति प्रदान कर दी है और वहाँ पर निर्माण कार्य जल्दी ही शुरू होने वाला है । प्रत्येक क्षेत्र में अनुभव की गयी कठिनाइयों पर चर्चा हुई और इन समस्याओं को हल करने की व्यवस्था की गयी । बैठक में सभी ३७ उपस्थितजनों ने पिछले वर्ष हुई गतिविधियों पर अपना फ़ीडबैक दिया । इसके पश्चात् अंचल में यू-कनैक्ट के कार्यकलापों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण दिया गया ।

श्री राम चंद्र मिशन एकोज़ इंडिया समाचार पत्र

समाचार झलकियाँ

जयपुर, तेलंगाना

दिनांक १० तथा ११ जनवरी को जयपुर आश्रम में आयोजित एक द्वि-दिवसीय आत्मनिरीक्षण कार्यक्रम में ३५ अभ्यासियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में दो विषय क्रमशः 'उनकी परिकल्पना को साझा करना' तथा 'उनके स्वप्न को पूरा करना' सम्मिलित किये गये। गुरुदेव द्वारा हाल ही में दी गयी वार्ता के मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा हुई। फ़ेसिलिटेटर्स ने मणपाक्कम आश्रम में नवम्बर माह में आयोजित अखिल भारतीय युवा संगोष्ठी के अपने अनुभव तथा मुख्य विषयों को भी साझा किया।

चिकमंगलूर, कर्नाटक

रविवार ११ जनवरी को चिकमंगलूर केन्द्र में अभ्यासियों के परिवारों का मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी अभ्यासियों ने अपने परिवार के सदस्यों सहित इस कार्यक्रम में भाग लिया। विभिन्न खेलों में अत्यधिक उत्साह के साथ अच्छी प्रतिभागिता रही। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गये।

तिरुप्पूर, तमिलनाडु

२५ जनवरी को चेट्टिपलायम आश्रम में हिन्दी भाषा में दस उसूलों पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ४७ अभ्यासी उपस्थित थे। यही कार्यक्रम दिनांक २६ एवं २७ जनवरी को अंग्रेजी भाषा में भी आयोजित किया गया, जिसमें तिरुप्पूर, शोलावन्दन तथा बंगलौर केन्द्रों के ५७ अभ्यासियों ने भाग लिया। प्रत्येक उसूल पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिदिन सायंकाल एक प्रश्नोत्तर एवं अनुभव साझा करने का सत्र रखा गया। इन सत्रों में दैनिक जीवन में दस उसूलों से सम्बन्धित अनेक शंकाओं का निवारण भी किया गया।

गुलबर्गा, उत्तरी कर्नाटक

हमारे समाज में युवाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा इस दशा में सुधार के लिये उनकी संभावित भूमिका के विषय में १३ जनवरी को अप्पा पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। डा० गजेन्द्र सिंह (अंचल प्रभारी, अंचल ४ ए) एवं भाई श्रीकान्त जोशी को अतिथि के रूप में आमन्त्रित किया गया। डा० गजेन्द्र सिंह ने युवाओं से कहा कि जीवन की हर परिस्थिति में वे अपने हृदय से पूछें, क्योंकि हृदय ही प्रेम एवं प्रेरणा का स्रोत है। २०० से अधिक विद्यार्थी एवं अध्यापक व अन्य कर्मचारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

ओपन हाउस सत्र

सिरसी, उत्तरी कर्नाटक: वानिकी महाविद्यालय में २४ जनवरी को आयोजित सत्र में छात्रों एवं महाविद्यालय के कर्मचारियों सहित पचास जिज्ञासुओं ने भाग लिया। इनमें से इक्कीस जिज्ञासुओं ने अपनी प्रारम्भिक सिटिंग ली। औद्यानिकी महाविद्यालय में २६ जनवरी को आयोजित सत्र में, १६ जिज्ञासुओं ने साधना प्रारम्भ करने की इच्छा व्यक्त की।

खड़गपुर, पश्चिम बंगाल: २५ जनवरी को आयोजित सत्र में भाग लेने वाले ६० जिज्ञासुओं में से सत्र की समाप्ति पर ३० ने साधना प्रारम्भ करने में रुचि प्रदर्शित की।

मूल्य शिक्षा कार्यक्रम

८ केन्द्रों के १५ स्कूलों में, शैक्षणिक सत्र २०१४–१५ के लिये, एस०एच०पी०टी० द्वारा संशोधित मूल्य शिक्षा कार्यक्रम आरम्भ किया गया। इसका अनुभव काफी प्रेरणादायक रहा क्योंकि अब और अधिक केन्द्र और स्कूल भी इस कार्यक्रम को आने वाले सत्र में प्रारम्भ करने की तैयारी कर रहे हैं। प्राप्त फीडबैक के आधार पर पाठ्यक्रम में सुधार किया जायेगा तथा सभी भाग लेने वाले केन्द्रों को पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जायेगा। आपके अपने क्षेत्र में मूल्य शिक्षा कार्यक्रम में स्वैच्छिक सेवा प्रदान करने तथा सहभागिता करने के लिये कृपया निम्नलिखित वेबसाइट पर जायें – http://www.sahajmarg.org/resources/programs/values-education

त्रिची केन्द्र, तमिलनाडु

शैक्षणिक सत्र २०१४–१५ के दौरान यह कार्यक्रम श्री शिवानन्द बालालय स्कूल में उच्चतर माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिये आयोजित किया गया। इसको एक परिचयात्मक सत्र के साथ ३ जून २०१४ को प्रारम्भ किया गया। विद्यार्थियों ने इन कक्षाओं में उत्साह के साथ भाग लिया, क्योंकि ये मुख्य रूप से विभिन्न क्रियाकलापों, कहानियों और वीडिओ क्लिप्स पर आधारित थीं। आत्मविश्लेषण सत्रों ने बच्चों और फ़ेसिलिटेटर्स दोनों को, जीवन कौशल को अच्छी तरह से समझने में सहायता की। फ़ेसिलिटेटर्स ने चरित्र निर्माण में बच्चों से बहुत अच्छे अनुभव प्राप्त किये। कार्यक्रम का समापन ७ फरवरी २०१५ को हुआ। विद्यार्थी और शिक्षक इन सत्रों के बाद बेहद खुश हैं और एक सकारात्मक परिवर्तन महसूस कर रहे हैं। वे इस विषय को अगले शैक्षणिक सत्र में भी लेने को तैयार हैं।

नये प्रकाशन

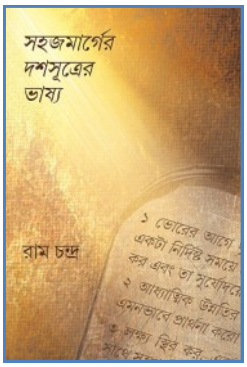

दस नियमों की व्याख्या – बंगाली भाषा में

दस नियमों की व्याख्या और राज योग की प्रभावोत्पादकता – रूसी भाषा में ऑडियो बुक

व्हिस्पर्स फ्रॉम दी ब्राइटर वर्ल्ड – स्पैनिश भाषा में ऑडियो बुक

व्हिस्पर्स फ्रॉम दी ब्राइटर वर्ल्ड – ५ वाँ प्रकटन (फ्रेंच भाषा में)

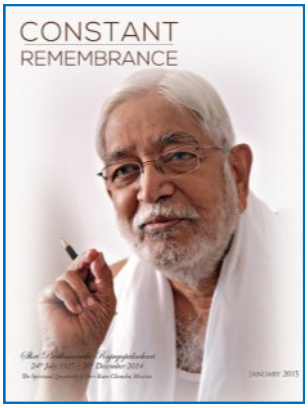

कौन्स्टेंट रिमैम्ब्रैन्स – अंग्रेजी

जनवरी का यह अंक एक विशेष संस्करण है जो कि हमारे पूज्य गुरुदेव चारीजी महाराज के जीवन एवं कार्यों की याद में समर्पित है। सभी ग्राहकों को इसकी प्रति दी जायेगी और इसके साथ–साथ यह अंक बुकस्टॉल तथा कॉर्पस प्रभाग में भी बिक्री के लिये उपलब्ध रहेगा।

सूचना

पूज्य बाबूजी महाराज का जन्मोत्सव लखनऊ, उत्तर प्रदेश में २९ अप्रैल से १ मई २०१५ तक मनाया जायेगा।

हमारे परमप्रिय चारीजी महाराज का जन्मोत्सव तिरुवल्लूर, तमिलनाडु में २३ से २५ जुलाई २०१५ तक मनाया जायेगा।

श्री राम चंद्र मिशन

एकोज़ इंडिया समाचार पत्र

लय योग आश्रम, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

प्रकाश का केन्द्र

वाराणसी में रविवारीय सत्संग वर्ष १९८९ में आरम्भ हुवा । वर्ष १९८९ से २००१ के बीच, आश्रम भूमि में एक अस्थाई ध्यान कक्ष के निर्माण होने तक, सत्संग का स्थान बदलता रहा ।

आश्रम का उद्भव

वर्ष २००१ में, अपने दिल्ली भ्रमण के दौरान, गुरुदेव ने डा० प्रसन्ना कुमार (केंद्र प्रभारी) को सारनाथ में आश्रम के लिये अलग भूमि देखने को कहा । ५ जुलाई २००१ को एक भूखण्ड, जिसका माप ५,४३८ वर्ग फुट से कुछ अधिक था, का तत्कालीन केंद्र प्रभारी डा० प्रसन्ना कुमार द्वारा श्री राम चन्द्र मिशन के नाम पर पंजीकरण करवाया गया । १६ दिसंबर २००१ को गुरुदेव ने वाराणसी केंद्र का भ्रमण किया और आश्रम की नींव रखी तथा एक अस्थाई ध्यान कक्ष का उद्घाटन किया । वर्ष २००५ में, गुरुदेव ने एक नये ध्यान कक्ष के निर्माण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की और १६ फरवरी २००६ को उन्होंने इसकी आधारशिला रखी ।

आश्रम का मानचित्र स्वीकृत कराने और वित्त की व्यवस्था करने में और चार वर्ष का समय लग गया । नये ध्यान कक्ष का निर्माणकार्य २ नवम्बर २००९ को भाई यू०एस०बाजपेयी जी की उपस्थिति में प्रारम्भ किया गया । अष्टभुजाकार ध्यान कक्ष, जिसके शिखर पर कमल बना है, मई २०११ में बनकर तैयार हुवा । ४ दिसम्बर २०११ के दिन गुरुदेव ने चेन्नई से वीडियो सम्पर्क के माध्यम से ध्यान कक्ष का उद्घाटन किया और इसे समर्पित किया । इस पावन अवसर पर लगभग १००० अभ्यासी उपस्थित थे ।

> "सहज मार्ग प्रेम का मार्ग है । हमें इस जगह का उपयोग अपने आध्यात्मिक विकास के लिये करना चाहिये । सहज मार्ग में नफ़रत के लिये कोई स्थान नहीं है ।"
>
> – पार्थसारथी राजगोपालाचारी
> ४ दिसम्बर २०११, चेन्नई

गतिविधियाँ

इस आश्रम में अंचल स्तरीय युवा कार्यशालायें, मूल्य आधारित शिक्षा कार्यशालायें, जी०आई०टी०पी० सत्र इत्यादि आयोजित किये गये हैं । निबन्ध लेखन कार्यक्रम इस आश्रम में पिछले दस वर्षों से आयोजित किया जाता रहा है ।

वर्तमान में इस केंद्र में अभ्यासियों की संख्या १,३५२ है और लगभग ३२५ अभ्यासी नियमित रविवारीय सत्संग के लिये आते हैं ।

भोजन कक्ष, गुरुदेव का कार्यालय, अतिथि कक्ष, पुस्तकालय, आई०टी० कक्ष, लेखा कार्यालय, जी०आई०टी०पी० प्रशिक्षण कक्ष, आश्रम कार्यालय, डॉरमेटरी, एक बगीचा, बच्चों का केंद्र और आश्रम प्रभारी के कक्ष सहित आश्रम में अन्य सुविधायें उपलब्ध हैं ।

To download or subscribe to this newsletter, please visit http://www.sahajmarg.org/newsletter/india For feedback, suggestions and news articles please send email to in.newsletter@srcm.org

© 2015 Shri Ram Chandra Mission ("SRCM"). All rights reserved. “Shri Ram Chandra Mission", "Sahaj Marg", “SRCM”, “Constant Remembrance” and the Mission's Emblem are registered Trademarks of Shri Ram Chandra Mission.This Newsletter is intended exclusively for the members of SRCM. The views expressed in the various articles are provided by various volunteers and are not necessarily those of SRCM.